15/9/18

प्रवक्ता अन्य प्रत्यक्ष नैतिक सिद्धान्त
अपने लेख में एक प्रायः सर्वमान्य
पर ऐसा हमारी व प्रतिबद्धीकृत
स्वार्थित मूल्य नहीं का निर्माण हो
जाने से इस प्रत्यय के चलने का
कोई औचित्य नहीं है अतः प्रत्यय
खारिज किया जाता है। प्रवक्ता
फैसलानुसार होकर नम्बर के कम हो
तथा इसलिए मूल्य बाद है।